सांध्य दैनिक 4PM

याद रखिये सबसे बड़ा अपराध अन्याय सहना और गलत के साथ समझौता करना है।
-सुभाष चन्द्र बोस

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 7 • अंक: 292 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, सोमवार, 29 नवम्बर, 2021

सेंट्रल विस्टा को लेकर केंद्र पर भड़का सुप्रीम कोर्ट... 8 | हार के डर से बौखला गयी है... 3 | प्रयागराज में भीषण सड़क हादसा... 7

भारी हंगामे के बीच कृषि कानून वापसी बिल पास

राकेश टिकैत का ऐलान, जारी रहेगा आंदोलन

- » बिल पर चर्चा कराने की मांग को लेकर विपक्ष ने किया हंगामा, नारेबाजी
- » संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन ही पेश किया गया बिल
- » लोक सभा व राज्य सभा में कृषि कानून वापसी बिल पर लगी मुहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन ही लोक सभा और राज्य सभा में कृषि कानून निरसन विधेयक, 2021 पास हो गया है। विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के बीच केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने तीनों कृषि कानून वापसी बिल को लोक सभा में पेश किया। बिल को राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। वहीं किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों के अन्य मुद्दों को लेकर आंदोलन जारी रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में तीन कृषि कानूनों को वापस लेने के फैसले की घोषणा की थी और इसके बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इन तीनों कानूनों को निरस्त करने संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी थी। लोक सभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने के लिए चर्चा की मांग की। राज्य सभा में भी विपक्ष ने बिल पर चर्चा की मांग की और हंगामा किया। वहीं कृषि कानून निरसन विधेयक पारित होने पर किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि जिन 700 किसानों की मृत्यु हुई उनको ही इस बिल के वापस होने का श्रेय जाता है। एमएसपी भी एक बीमारी है। सरकार व्यापारियों को फसलों की लूट की छूट देना चाहती है। आंदोलन जारी रहेगा। जो नुकसान हुआ है उस पर सरकार बैठ कर बात करे, समाधान निकल जाएगा।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

सांसद संजय सिंह ने उठाई चर्चा की मांग

आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने सभापति को नियम 267 के तहत चर्चा कराने के संबंध में पत्र लिखा। पत्र में कहा गया है कि लगभग एक वर्ष से लगातार चल रहे किसान आंदोलन की एमएसपी गारंटी कानून की मांग अभी भी पूरी नहीं हुई है। देश के किसानों का मूल अधिकार एमएसपी गारंटी होनी चाहिए। आपके संज्ञान हेतु यह तथ्य आवश्यक है कि वर्तमान में मिलने वाले एमएसपी और स्वामीनाथन रिपोर्ट के अनुसार सी-2 फार्मूले के अनुसार अनुमानित एमएसपी में बहुत अधिक अंतर है। उदाहरणस्वरूप, वर्तमान में अरहर की एमएसपी 5675 क्विंटल है जबकि सी-2 फार्मूला के अनुसार इसकी अनुमानित एमएसपी 7471.5 क्विंटल होगी। कोरोना महामारी से किसानों की आर्थिक हालत पहले ही बदहाल है वहीं एमएसपी की कानूनन गारंटी के अभाव में फसलों का सही दाम नहीं मिल पा रहा है। उपरोक्त विकट परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नियम 267 के तहत सदन के अन्य कार्यों को स्थगित कर इस गंभीरतम विषय पर सदन में चर्चा करायी जाए।

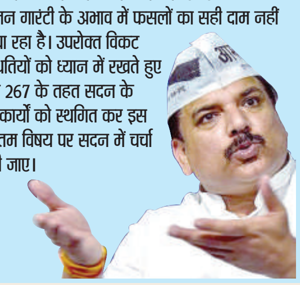

हर सवाल का जवाब देने को तैयार: पीएम

शीतकालीन सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह संसद का एक महत्वपूर्ण सत्र है। देश के नागरिक एक उत्पादक सत्र चाहते हैं। वे उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी जिम्मेदारियों को निभा रहे हैं। सरकार हर विषय पर चर्चा करने के लिए तैयार है, खुली चर्चा करने के लिए तैयार है। सरकार हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है।

कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में पार्टी के सांसदों ने संसद में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास विरोध प्रदर्शन किया।

करीब तीस विधेयक होंगे पेश

लोकसभा सचिवालय के अनुसार, आर्थिक एवं अन्य सुधार संबंधी विधेयकों में बिजली संशोधन विधेयक, बैंकिंग कानून संशोधन विधेयक, पेंशन सुधार संबंधी संशोधन विधेयक, दिवाला एवं शोधन अक्षमता दूसरा संशोधन विधेयक, ऊर्जा संरक्षण संशोधन विधेयक, मध्यस्थता विधेयक , चार्टर्ड एकाउंटेंट, कास्ट एंड वर्क्स एकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरीज संशोधन विधेयक आदि शामिल हैं। निचले सदन में पेश किए जाने वाले विधेयकों की सूची में क्रिप्टोकरंसी एवं आधिकारिक डिजिटल मुद्रा विनियमन विधेयक 2021 सूचीबद्ध है। इस विधेयक में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी आधिकारिक डिजिटल मुद्रा के सृजन के लिए एक सहायक ढांचा सृजित करने की बात कही गई है।

टीईटी पेपर लीक मामले में अपनी ही सरकार को घेरा सांसद वरुण गांधी ने, पूछा

रसूखदार शिक्षा माफियाओं पर कब होगी कार्रवाई

- » छोटी मछलियों को पकड़ने से नहीं चलेगा काम
- » पेपर लीक लाखों युवाओं के भविष्य से खिलवाड़
- » किसान आंदोलन और लखीमपुर हिंसा को भी लेकर साधते रहे हैं निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी टीईटी पेपर लीक मामले में पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने प्रदेश की योगी सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि छोटी मछलियों पर कार्रवाई से काम नहीं चलेगा। सरकार राजनैतिक शिक्षा माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई करे। पेपर लीक होना लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

वरुण गांधी ने ट्वीट करते हुए लिखा, यूपी टीईटी परीक्षा पेपर लीक होना लाखों युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ है। इस दलदल की छोटी मछलियों पर कार्रवाई से काम नहीं चलेगा, उनके राजनैतिक संरक्षक शिक्षा माफियाओं पर कठोर कार्रवाई करे सरकार क्योंकि अधिकांश शिक्षण संस्थानों के मालिक राजनैतिक रसूखदार हैं, इनपर कार्रवाई कब होगी? इससे पहले वरुण गांधी ने किसान आंदोलन और लखीमपुर हिंसा को लेकर भी सवाल उठाए थे। रविवार को यूपी टीईटी परीक्षा के दौरान पेपर लीक होने पर इसे निरस्त कर दिया गया है।

अब तक 29 गिरफ्तार, सचिवालय तक जुड़े हैं तार

लखनऊ। यूपी शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) पेपर लीक मामले में अभी तक 29 लोगों को अलग-अलग जिलों से गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ की जांच में टीईटी पेपर लीक के तार सचिवालय से जुड़े हैं। सचिवालय में संविदा पर तैनात कर्मचारी इस गिरोह में सक्रिय सदस्य है। इसके अलावा कई सरकारी कर्मचारियों के भी तार गिरोह से जुड़े होने के सबूत मिले हैं। इसमें झांसी का अनुराग देश, अंबेडकरनगर का फौजदार वर्मा उर्फ विकास, अयोध्या कपासी का कौशलेंद्र प्रताप राय और झांसी का चंदू वर्मा शामिल है। अयोध्या के कौशलेंद्र राय के पास से टीम ने कई अहम दस्तावेज बरामद किये हैं। इसमें सचिवालय का पास, खाद्य एवं रसद विभाग का पहचान पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज शामिल हैं। हर जिले में अलग-अलग माफियाओं ने पेपर लीक करवाया था। कौशांबी से गिरफ्तार रोशन सिंह लैब टेक्नीशियन है जबकि प्रयागराज से गिरफ्तार सत्य प्रकाश सिंह सरकारी टीचर है। वहीं लखनऊ से गिरफ्तार कौशलेंद्र सचिवालय का संविदा कर्मचारी है।

हार के डर से बौखला गयी है भाजपा : अखिलेश यादव

» दलित और महिला विरोधी है भाजपा

» लोगों का छिन गया है काम-काज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जनता भाजपा के झूठे वादों और फरेबी राजनीति से ऊब चुकी है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार पूरी तरह अनियंत्रित है। पुलिस निरंकुश है। किसान-नौजवान, गरीब, मजदूर, कर्मचारी, व्यापारी सहित समाज का हर वर्ग परेशान और त्रस्त है। शैक्षिक भ्रष्टाचार चल रहा है। भाजपा ने कोई ऐसा काम ही नहीं किया जिसे उसके नाम पर गिनाया जा सके इसलिए भाजपा को सत्ता से बेदखल करने और समाजवादी पार्टी को वापस सत्ता में लाने का मन पूरी तरह से बना लिया है। इससे भाजपा खेमे में घोर निराशा है।

उन्होंने कहा कि हार के डर से बौखलाई भाजपा समाजवादी पार्टी के खिलाफ अनर्गल और अभद्र बयानबाजी शुरू कर दी है। छेड़छाड़ कर बने वीडियो प्रदर्शित किए जा रहे हैं। भाजपा की दलित एवं महिला विरोधी सोच उनके प्रवक्ताओं के मुंह पर आ ही जाती है। स्वर्गीय फूलन देवी के खिलाफ अपशब्द बोलकर भाजपा प्रवक्ता ने सम्पूर्ण निषाद समाज का घोर अपमान करने की कोशिश की है। शालीनता को ताक पर रखकर नए-नए नाम लिए जा रहे हैं। राजनीति में ऐसी गिरावट पहले कभी नहीं देखी गई। भाजपा विपक्ष के प्रति पूर्णतया असहिष्णु और विद्वेषभाव से भरी है।

महंगाई और भ्रष्टाचार से जनता परेशान

उन्होंने कहा कि नीति आयोग के गरीबी पर आए रिजल्ट कार्ड में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार के राज में इस प्रदेश ने तीसरे सबसे गरीब राज्य होने का कीर्तिमान बनाया है। उत्तर प्रदेश को गरीबी में ढकेलने वाले क्या किसी की आय दुगनी करेंगे? यूपी टीईटी-2021 की परीक्षा का पेपर लीक होने की वजह से रद्द होना बीसों लाख बेरोजगार अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। भाजपा सरकार में पेपर लीक होना, परीक्षा व परिणाम रद्द होना आम बात है। नौजवानों का भविष्य अंधेरे में है। जनता को कोरोना संकट काल में अनाथ की तरह छोड़कर भाजपा को जश्न मनाने में संकोच नहीं हुआ। संवेदनशून्य भाजपा सरकार आधे-अधूरे कामों का लोकार्पण एवं शिलान्यास से जनता को भटकाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जनता के सपनों को रौंद दिया है। सबका काम छिन गया है। अगड़े-पिछड़े, वंचित और अल्पसंख्यक समाज एकजुट होकर भाजपा को सबक सिखाएंगे। समाजवादी सरकार की उपलब्धियों से प्रभावित होकर जनता सिर्फ चुनाव की तिथियों का इंतजार कर रही है।

राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेती जनता : नरसिम्हा

» भाजपा सरकार की सफलता से जलती है कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। राज्यसभा सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रियता और सरकार की सफलता पर कांग्रेस के भीतर जलन की भावना है। राहुल गांधी और कांग्रेस के नेताओं के साथ ही विपक्ष के नेता प्रधानमंत्री को लेकर जिस तरह की भाषा इस्तेमाल करते हैं उसे जनता कतई पसंद नहीं करती है। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के नेताओं की टिप्पणी को जनता गंभीरता से नहीं लेती है और वह उन पर नाराज भी है।

वाराणसी प्रवास के दौरान उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस उत्तर प्रदेश से दशकों से गायब है। साइबेरिया से जैसे पक्षी यहां आते हैं वैसे ही चुनाव के समय राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के नेता उत्तर प्रदेश आते हैं। इसके बाद फिर वह वापस चले जाते हैं और उनका पता नहीं लगता है। उन्होंने कहा कि श्री काशी विश्वनाथ का भव्य स्वरूप देख श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो जा रहे हैं। विश्वनाथ धाम का पुनरोद्धार कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हजारों वर्षों तक याद रखा जाएगा। धाम का लोकार्पण होगा तो देश और दुनिया के श्रद्धालुओं का जमावड़ा होगा।

यूपीटीईटी निरस्त होने के पीछे सरकार की साजिश : लल्लू

» यूपी में अपराध और भ्रष्टाचार का बोलबाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि यूपी में लूट, भ्रष्टाचार और अपराधियों का बोलबाला है। लगातार अपराध हो रहे हैं और सरकार उसे रोकने में नाकाम है। उन्होंने यूपीटीईटी निरस्त होने को भाजपा सरकार की साजिश करार बताया है। अजय कुमार लल्लू रविवार को आगरा पहुंचे। वह यहां फतेहाबाद के गांव शालूबाई में नदी अधिकार प्रतिज्ञा महारैली में शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने, रोजगार देने के वादे किए थे। साढ़े चार साल बाद भी किसी पर अमल नहीं हुआ। इस दौरान उन्होंने मछुआ समुदाय के सम्मान की भी बात कही। कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष उपेंद्र सिंह ने भी सरकार की नीतियों पर जमकर हमला किया। संयोजक होतम सिंह निषाद ने कहा सरकार सभी मोर्चे पर फेल हो चुकी है। पेपर लीक होने के कारण पूरे प्रदेश में कराई जा रही शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) निरस्त होने को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा सरकार की साजिश करार दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार रोजगार देना नहीं

जानती। दरोगा भर्ती परीक्षा समेत तमाम परीक्षाओं के पेपर लीक होना इस बात का सुबूत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर भाजपा सरकार की गलत नीतियां लोगों को बताकर भाजपा और कांग्रेस सरकार के अंतर को बताएं। सदस्यता अभियान में अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ा जाए। बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत किया जाए।

प्रियंका से शिकायत करने लखनऊ पहुंचे राजस्थान के बेरोजगार युवा

» कांग्रेस नेताओं पर लगाया बड़ा आरोप, अनशन पर बैठे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकार बनने पर दस लाख नौकरियों का वादा करने वाली कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से आस लगाए राजस्थान के बेरोजगार युवा लखनऊ तक आ गए। 46 दिन से आंदोलनरत युवा गहलोत सरकार की शिकायत प्रियंका से करना चाहते हैं। पार्टी मुख्यालय पहुंचे इन युवाओं की मुलाकात उनसे नहीं हो सकी। वहां मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिलने गए प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन के बाद भी बैरंग लौटना पड़ा। अब प्रदर्शनकारी यहां इस हुंकार के साथ अनशन पर बैठ गए हैं कि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो उत्तर प्रदेश से लाश ही लौटेगी।

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के बैनर तले दर्जनों युवा लखनऊ आए हुए हैं। वह करीब नौ बजे पार्टी मुख्यालय पहुंचे। यहां राजस्थान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस की यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा से मिलने की इच्छा जाहिर की। राजस्थान से आए प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे महासंघ के अध्यक्ष उपेन यादव ने बताया कि यूपी कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि मुख्यालय से हट जाएं। उपेन ने बताया कि रविवार को राजस्थान पहुंचे दल के सदस्यों ने यूपी से आश्वस्त करने वाले नेताओं को फोन किया तो उन्होंने फोन रिसीव ही नहीं किया। वहां मुख्यमंत्री से किसी ने नहीं मिलने दिया। इसके उलट सीएम गहलोत ने प्रदर्शनकारियों पर भाजपाई होने का आरोप लगा दिया। इसके बाद नाराज प्रदर्शनकारी रविवार शाम करीब पांच बजे कांग्रेस मुख्यालय पहुंच गए और अनशन पर बैठ गए।

अगले माह देहरादून जा सकते हैं पीएम मोदी, बनाएंगे चुनावी माहौल

» भाजपा ने रखा 60 पार का लक्ष्य, सीएम धामी भी सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में चुनावी माहौल और हलचलें दिसंबर के महीने में अपने चरम पर पहुंचने वाली हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के पिछले दौरों के साथ ही अपने चुनाव प्रचार अभियान का शंखनाद कर चुकी भाजपा देहरादून में पीएम मोदी की एक बड़ी रैली का आयोजन करने जा रही है। सूत्रों की मानें तो पीएम मोदी तीन दिसंबर को देहरादून जा सकते हैं।

उत्तराखंड चुनाव के मद्देनजर भाजपा का चुनाव प्रचार और चुनाव प्रबंधन जोरों पर चल रहा है। पार्टी की इलेक्शन मैनेजमेंट कमेटी के प्रमुख प्रहलाद जोशी ने प्रदेश के तमाम नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की और '60 पार' के लक्ष्य को लेकर चुनाव अभियान की समीक्षा की। इस बैठक में सीएम धामी समेत पार्टी के कई पूर्व मुख्यमंत्री विजय

बहुगुणा, तीरथ सिंह रावत, त्रिवेंद्र सिंह रावत समेत राज्य सरकार के मंत्री हरक सिंह रावत, धनसिंह रावत और बिशन सिंह चुफाल के अलावा पार्टी प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक भी मौजूद थे। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर धामी अपने गृह जिले के रुद्रपुर पहुंचे और कई कार्यक्रमों में शिरकत की। धामी ने 'सबकी योजना सबका विकास' नारे के तहत पंचायतों के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की और उनके लिए बड़ी सौगातें दीं। पंचायत अध्यक्षों को राज्य मंत्री का दर्जा देने का बड़ा ऐलान किया। वहीं चुनाव प्रचार और वोट साधने की रणनीति के तहत वाटा चौक का नाम बदलकर आंबेडकर चौक रखने की घोषणा भी की।

बामुलाहिजा
कार्टून : हसन जैदी

आम आदमी पार्टी की लोकप्रियता से विपक्षी बेचैन : दिनेश मोहनिया

» उत्तराखंड की सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ने का किया ऐलान भाजपा-कांग्रेस पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। आम आदमी पार्टी (आप) के उत्तराखंड प्रभारी और संगम विहार दिल्ली के विधायक दिनेश मोहनिया ने कहा कि आप काम की राजनीति की संस्कृति को प्रदेश में विस्तार देगी। उन्होंने भाजपा, कांग्रेस पर निशाना साधते हुए लोगों से दोनों दलों के 10-10 साल के काम का हिसाब मांगने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आप आम आदमी के मुद्दों को राजनीति की धुरी बना कर राजनीति में सकारात्मक बदलाव लाएंगे।

मोहनिया ने कहा कि मुफ्त बिजली-पानी, सस्ती शिक्षा, सहज इलाज हर व्यक्ति तक पहुंचाना आप की राजनीति का एकमात्र ध्येय है। अब राजनीति नेताओं के लिए नहीं बल्कि आम आदमी के मुद्दों पर होगी। उन्होंने लोगों से अपने सुनहरे भविष्य के लिए आप का समर्थन करने का आह्वान किया। सभा में चंपावत विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी एडवोकेट मदन सिंह महर, नारायण सिंह गैड़ा, हयात सिंह अधिकारी, रवि चतुर्वेदी आदि ने विचार रखे। पार्टी में शामिल 45 से अधिक लोगों का प्रभारी ने स्वागत किया। मोहनिया ने कहा कि उत्तराखंड में आप की बढ़ती लोकप्रियता से विपक्षी दल बेचैन हैं। दोनों पार्टियों के कई नेता पार्टी छोड़कर आप में शामिल होने के लिए बेताब हैं। आप ट्रिपल सी के फार्मूले पर चल रही है। इसके तहत आप किसी भी भ्रष्ट, अपराधी को पार्टी का सदस्य नहीं बनाएगी। ईमानदार, साफ, स्वच्छ छवि के लोगों को ही पार्टी में स्थान मिलेगा। दिनेश मोहनिया ने कहा कि आप उत्तराखंड में गठबंधन की राजनीति नहीं करेगी। आप यहां सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। 33 विधानसभा क्षेत्रों के प्रभारी घोषित किए जा चुके हैं। प्रभारियों को प्रत्याशी बनाया जाएगा।

बुंदेलखंड में सियासी जमीन तलाश रहीं प्रियंका पुराने रिश्तों को मजबूत करने की कवायद

- » महोबा सीट पर छह बार कांग्रेस का रह चुका है कब्जा
- » महिलाओं से किया संवाद पुराने कांग्रेसी नेताओं से मुलाकात
- » 1989 के बाद से कांग्रेस को यहां नहीं मिली सफलता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले कांग्रेस सियासी जमीन मजबूत करने में जुटी है। बुंदेलखंड में सियासी जमीन तलाश रहीं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी चित्रकूट के बाद अब महोबा में पुराने रिश्तों से पार्टी को मजबूत करने की कवायद शुरू की है। प्रियंका यहां प्रतिज्ञा रैली के बहाने कांग्रेस के पुराने इतिहास और रिश्तों के सहारे पंजे को मजबूत करने की कोशिश करती नजर आईं। यहां भी उन्होंने आधी आबादी को लुभाने की कोशिश की।

यूपी में सियासी वनवास काट रही कांग्रेस में प्रियंका गांधी नया जोश भरने में जुटी हैं। इसी सिलसिले में वे प्रदेश में लगातार दौरे कर रही हैं और जनता से सीधे संवाद स्थापित करने की कोशिश कर रही हैं। वे आधी आबादी को कांग्रेस से जोड़ने में जुटी हैं। यही वजह है कि पिछले दिनों उन्होंने महिलाओं को लेकर कई वादे किए। इसमें विधान सभा की चालीस प्रतिशत सीट पर महिलाओं को उम्मीदवार बनाने का वादा भी शामिल है। इसी क्रम में उन्होंने पिछले दिनों महोबा में महिलाओं से संवाद किया। उनके साथ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू भी थे। यहां से कांग्रेस का पुराना नाता भी रहा है। यही वजह है कि वे बुदेलखंड की धरती से सियासी समीकरण साधने की कोशिश कर रही है। गौरतलब है कि महोबा को आल्हा-ऊदल की नगरी के नाम से तो जाना ही जाता है, यह चंदेल शासकों से लेकर आजादी की लड़ाई का भी प्रमुख केंद्र रहा है। यहां पर महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, अब्दुल गफ्फार खां , लाल बहादुर शास्त्री आदि ने जंगे आजादी का बिगुल फूंका था। चरखारी निवासी 72 वर्षीय चंद्रिका प्रसाद मिश्र बताते हैं कि जैतपुर के ग्राम मुढ़ारी में करीब 1965 में ग्रामवासियों ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के गांव आने पर उनका चांदी से तुलादान किया था। छविलाल और मथुरा प्रसाद के नेतृत्व में गांव के बाहर इंदिरा गांधी के नाम पर ग्राम का प्रवेश द्वार बनाया गया था। 1952 में अस्तित्व में आई विधानसभा सीट महोबा में कांग्रेस का दबदबा रहा है। अब तक 17 बार हुए चुनाव में छह बार कांग्रेस का इस सीट पर कब्जा रहा है। 1996 से इस सीट पर लगातार सपा और बसपा का दो-दो बार कब्जा रहा है। 1989 के बाद से कांग्रेस महोबा में एक जीत के लिए तरस रही है। इस दौरान पुराने कांग्रेसी नेताओं से भी प्रियंका गांधी ने मुलाकात की।

चित्रकूट में महिलाओं से किया था संवाद

बुंदेलखंड में दस दिन के अंदर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी का यह दूसरा दौरा है। बीते 17 दिसंबर को चित्रकूट के रामघाट पर मंदाकिनी नदी पर नावों से बनाए मंच से उन्होंने महिलाओं से संवाद किया था। इस दौरान महिलाओं के बीच उन्होंने उठो द्रौपदी शस्त्र उठा लो... कविता सुनाकर अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ने का आह्वान किया था। इसके साथ ही आधी आबादी को राजनीति में पचास फीसद भागीदारी देने की बात कही थी।

कांग्रेस की 7 प्रतिज्ञाएं

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रतिज्ञा यात्रा को धार दी है। सात प्रतिज्ञा इस प्रकार है। 1- टिकटों में महिलाओं को 40 प्रतिशत हिस्सेदारी। 2- 12वीं पास लड़कियों को स्मार्टफोन, स्नातक पास को स्कूटी। 3- किसानों का पूरा कर्ज माफ किया जाएगा। 4- 2500 में गेहूं-धान, 400 पाएगा गन्ना किसान। 5- बिजली बिल सबका हाफ, कोरोना काल का बकाया साफ। 6- दूर करेंगे कोरोना की आर्थिक मार, परिवार को देंगे 25 हजार। 7- 20 लाख को सरकारी रोजगार।

चार विधायकों के सहारे यूपी चुनाव को धार देने में जुटी बसपा

- 2017 के चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन रहा था खराब
- 19 की जगह अब बाकी रह गए बस चार विधायक

- » जमाली के इस्तीफे के बाद उमाशंकर को बनाया विधान मंडल दल का नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव से पहले बसपा की मुसीबत बढ़ गई है। 2017 के विधान सभा चुनाव में बसपा को सिर्फ 19 सीटें मिली थी मगर ज्यादातर विधायक अब मायावती का साथ छोड़ चुके हैं। पार्टी में अब सिर्फ चार विधायक रह गए हैं। ऐसे में यह चुनाव मायावती के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। आजमगढ़ जिले की मुबारकपुर सीट के विधायक शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली के जाने के बाद बसपा में बस चार विधायक ही रह गए हैं।

इनमें से उमाशंकर सिंह को बसपा प्रमुख मायावती ने नेता विधानमंडल घोषित किया है। चुनावी समर में एक तरफ जहां बाकी दलों में सियासतदां अपना राजनीतिक कैरियर तलाशने को शामिल हो रहे हैं तो दूसरी तरफ बसपा में दिग्गज लगातार पार्टी छोड़ रहे हैं। विधायक गुड्डू जमाली के भी किनारा कर लेने के बाद बसपा में केवल चार विधायक रह गए हैं। उधर बसपा सुप्रीमो मायावती ने उमाशंकर सिंह को पार्टी का नेता विधानमंडल दल घोषित किया है। चार बार सत्ता के शिखर तक पहुंची बसपा इस समय संकट से जूझ रही है। दरअसल, उसके सिपहसालार लगातार पार्टी छोड़कर दूसरे दलों में जा रहे हैं। यूपी विधान सभा चुनाव से ऐन पहले पार्टी में भगदड़ की स्थिति है। दस साल में ही पार्टी छोड़ने वाले महारथियों का सैकड़ा पार हो चुका है। गत दिवस पार्टी आजमगढ़ जिले की मुबारकपुर सीट के विधायक शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने भी त्यागपत्र दे दिया। गुड्डू पार्टी के विधान मंडल दल के नेता भी थे। उनके जाने के बाद पार्टी में बस चार विधायक ही रह गए हैं। श्याम सुंदर शर्मा, उमाशंकर सिंह, विनय शंकर तिवारी, आजाद अरिमर्दन ही फिलहाल पार्टी में सक्रिय विधायक रह गए हैं। इनमें से उमाशंकर सिंह को बसपा प्रमुख मायावती ने नेता विधान मंडल घोषित किया है। बलिया के रसड़ा विधान सभा क्षेत्र के विधायक उमाशंकर सिंह लगातार दो बार चुनाव जीते हैं। इनसे पहले पार्टी ने जिन दो विधायकों को नेता विधानबमंडल बनाया, वे दोनों ही बसपा छोड़ गए।

कभी 19 विधायक थे

2017 के विधान सभा चुनाव में बसपा का प्रदर्शन खराब था। कुल 19 सीटें बसपा ने जीतीं थी और इसमें भी एक सीट अंबेडकरनगर जिले के उपचुनाव में पार्टी हार गई थी। यानी पार्टी के पास विधायकों की संख्या 18 रह गई थी। पहले अलग-अलग समय पर पार्टी विरोधी गतिविधियों की बात कहकर 9 विधायकों को निलंबित किया गया। उसके बाद लालजी वर्मा और राम अचल राजभर का निष्कासन हुआ और दोनों ने ही सपा ज्वाइन कर ली। एक और विधायक मुख्तार अंसारी को पार्टी भविष्य में चुनाव न लड़ाने का ऐलान कर चुकी है। उनके भाई और भतीजे ने सपा का दामन थामा तो मायावती ने यह कदम उठाया। विधायक सुखदेव राजभर का निधन हो चुका है। ऐसे में बसपा के पास बस चार विधायक ही रह गए हैं।

मुस्लिमों के साधने के लिए मायावती ने जमाली पर लगाया था दांव

पार्टी ने जून में जमाली को विधानमंडल दल का नेता तब बनाया था, जब पार्टी के तत्कालीन विधान मंडल दल नेता लालजी वर्मा ने बसपा छोड़कर सपा का दामन थाम लिया था। उन्हें निष्कासित कर जमाली पर दांव लगाकर बसपा ने मुस्लिमों को साधने की कोशिश की थी, पर यह समीकरण छह माह भी नहीं चल पाया। जमाली प्रदेश में सबसे अधिक चल-अचल संपत्ति वाले विधायक हैं। एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) की रिपोर्ट के मुताबिक जमाली के पास 118 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति है। इसमें 1.11 अरब की चल व 6.92 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कोरोना का नया वेरिएंट खतरे की घंटी

> "सवाल यह है कि क्या वेरिएंट को हवाई उड़ानों पर प्रतिबंध लगाकर रोका जा सकता है? क्या पूर्ण वैक्सीनेशन के बिना कोरोना से बचाव संभव है? देश में वैक्सीनेशन की रफ्तार को बढ़ाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें क्या कर रही हैं? क्या फिर से कोरोना प्रोटोकॉल के सख्ती से पालन का समय आ गया है? क्या यह वेरिएंट भारत में तीसरी लहर का कारण बन सकता है?

कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ने दुनिया की टेंशन फिर बढ़ा दी है। नया वायरस दक्षिण अफ्रीका में मिला है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह डेल्टा वेरिएंट से अधिक घातक और संक्रामक है। जिस तेजी से दक्षिण अफ्रीका में यह फैल रहा है उसने दुनिया के सामने एक बड़ा खतरा पैदा कर दिया है। अमेरिका समेत तमाम देशों ने दक्षिण अफ्रीका से आने वाली उड़ानों को रोक दिया है। भारत में भी इसको लेकर सरकार सतर्क हो गयी है और जरूरी निर्देश जारी किए हैं। सवाल यह है कि क्या वेरिएंट को हवाई उड़ानों पर प्रतिबंध लगाकर रोका जा सकता है? क्या पूर्ण वैक्सीनेशन के बिना कोरोना से बचाव संभव है? देश में वैक्सीनेशन की रफ्तार को बढ़ाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें क्या कर रही हैं? क्या फिर से कोरोना प्रोटोकॉल के सख्ती से पालन का समय आ गया है? क्या यह वेरिएंट भारत में तीसरी लहर का कारण बन सकता है? तमाम हिदायतों के बावजूद लोग वैक्सीन लगवाने से कतरा क्यों रहे हैं?

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने नए कोरोना वेरिएंट को ओमीक्रान नाम दिया है। दक्षिण अफ्रीका में एक मरीज में इसके संक्रमण की पुष्टि हुई और तब से यह तेजी से फैल रहा है। विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि जिस तेजी से संक्रमण फैल रहा है उससे जाहिर है कि यह पूरे दक्षिण अफ्रीका में फैल चुका है। यह दुनिया में कोरोना की दूसरी लहर लाने वाले डेल्टा वेरिएंट से घातक है। जाहिर है यह पूरी दुनिया के लिए खतरे की घंटी है। यही वजह है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना प्रोटोकाल का सख्ती से पालन करने की अपील लोगों से की है। जहां तक भारत का सवाल है तो यहां स्थितियां चिंताजनक हैं। अभी भी भारत में कोरोना वैक्सीनेशन की रफ्तार बेहद धीमी है। अभी तक महज 31 फीसदी आबादी का ही पूर्ण टीकाकरण हो सका है। बाकी लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज नहीं लगी है। यही नहीं बच्चों का वैक्सीनेशन अभी तक शुरू नहीं हो सका है। जागरूकता अभियान चलाने के बाद भी लोग वैक्सीन लगवाने में उदासीनता बरत रहे हैं जबकि विशेषज्ञों ने साफ तौर पर कह दिया है कि बिना दोनों डोज लगवाए कोरोना से संपूर्ण बचाव नहीं हो सकता है। अब तो कई देशों में बूस्टर डोज भी लगाए जा रहे हैं। भारत में भी इस बूस्टर डोज को लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है। जाहिर है कोरोना की दूसरी लहर में हाहाकारी परिस्थितियों का सामना कर चुके भारत को बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। केंद्र और राज्य सरकारों को चाहिए कि जब तक पूरी आबादी का पूर्ण टीकाकरण नहीं हो जाता है तब तक वह कोरोना प्रोटोकाल का सख्ती से पालन कराना सुनिश्चित करें अन्यथा स्थितियां खतरनाक हो सकती हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राहुल का विकल्प बनेंगी ममता!

राजकुमार सिंह

पश्चिम बंगाल में भाजपा के चुनावी चक्रव्यूह को भेद कर लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने के बाद ममता बनर्जी आगामी लोक सभा चुनावों के मद्देनजर मोदी विरोधी ध्रुवीकरण का केंद्र बनने की कवायद में जुटी हैं। बेशक ममता स्वयं अपने ही पुराने सिपहसालार शुभेंदु से हार गयीं पर उसका नैतिक से ज्यादा कोई राजनीतिक महत्व नहीं है। पश्चिम बंगाल में अपनी सत्ता सुदृढ़ कर लेने के बाद यह स्वाभाविक है कि ममता राज्य से बाहर ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की ओर भी देखें। फिर राष्ट्रीय राजनीति में मोदी की विकल्पहीनता ममता के कद वाले किसी भी राजनेता को ललचा सकती है।

ऐसा नहीं है कि मोदी का विकल्प बनने की महत्वाकांक्षा ममता के मन में है। 2014 में राजग से अलगाव के पीछे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मन में यह महत्वाकांक्षा भी एक बड़ा कारण रही, लेकिन मोदी की राष्ट्रव्यापी लहर और दुश्मन से फिर दोस्त बने लालू यादव की दबाव की राजनीतिक शैली ने उन्हें फिर वापस लौटने को बाध्य कर दिया। वहीं अरविंद केजरीवाल जिस तरह मोदी से भिड़ने के बहाने ढूंढते थे, उसके मूल में भी स्वयं को विकल्प के रूप में पेश करने की महत्वाकांक्षा ही थी, लेकिन पंजाब विधानसभा चुनावों में ध्वस्त मंसूबों और अपूर्ण राज्य दिल्ली के सीमित अधिकारों ने उन्हें उनकी सीमाओं का भी अहसास करवा दिया।

इस महत्वाकांक्षी तिकड़ी के अलावा मोदी का विकल्प बनने की स्वाभाविक महत्वाकांक्षा उन राहुल गांधी का स्थायी भाव माना जा सकता है, जिनकी कांग्रेस का ऐतिहासिक मान-मर्दन कर भाजपा ने लगातार दूसरी बार अकेले दम स्पष्ट बहुमत हासिल कर केंद्र में सरकार बनायी है। बेशक दूसरे लोक सभा चुनाव में कांग्रेस की सीटें गिनती के लिहाज से कुछ बढ़ीं पर यह मान-मर्दन कितना आहत करने वाला रहा, इसका अंदाजा नेहरू परिवार की परंपरागत सीट अमेठी से हार और फिर अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे से लगाया जा सकता है। हालांकि यह तय है कि अगले साल जब नये पूर्णकालिक अध्यक्ष का चुनाव होगा तो वह चेहरा राहुल गांधी के ही होंगे क्योंकि कांग्रेस में नेहरू परिवार का कोई विकल्प नहीं। ऐसे में स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि स्वयं कांग्रेस में विकल्पहीनता के चलते पुन: अध्यक्ष पद संभालने वाले राहुल गांधी वास्तव में राष्ट्रीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकल्प बन पायेंगे? कहा जाता है कि भाजपा और

उसके सहयोगी संगठनों ने सुविचारित रणनीति के तहत राहुल गांधी की छवि अगंभीर और हास्यास्पद बनाने का अभियान चला रखा है, पर क्या कई बार वह स्वयं अपने विरोधियों को ऐसा मौका नहीं दे देते? कोरोना काल में सोशल मीडिया से संचालित राजनीति में मोदी सरकार पर हमला करने का कोई मौका राहुल गांधी नहीं चूकते, लेकिन इस वास्तविकता से मुंह नहीं चुराया जा सकता कि तमाम ज्वलंत समस्याओं पर वैकल्पिक नजरिया पेश करने में वह अभी तक विफल ही रहे हैं। लोकतांत्रिक राजनीति में वास्तविक विकल्प बनने के लिए नीतिगत-व्यवस्थागत वैकल्पिक नजरिया पहली शर्त है। कह सकते हैं कि मुद्दों-समस्याओं पर वैकल्पिक नजरिया तो ममता बनर्जी ने भी पेश नहीं किया है, लेकिन एक बड़ा फर्क है। ममता तीन दशक से भी लंबे वामपंथी शासन के विरुद्ध संघर्ष कर पश्चिम बंगाल में जुझारू नेत्री के रूप में उभरीं और फिर मतदाताओं ने उन्हें लगातार तीसरी बार सत्ता का जनादेश भी दिया है। दूसरा बड़ा फर्क संगठनात्मक ढांचा और लोकप्रियता का है। दो दलीय राजनीतिक व्यवस्था वाले कुछ राज्यों को छोड़ दें तो कांग्रेस का लगातार चुनावी पराभव राहुल गांधी की लोकप्रियता का ग्राफ भी बता ही देता है। सामान्य राजनीतिक समझ रखने वाला भी यह समझ सकता है कि किसी एक दल में भाजपा का विकल्प बनने का माद्दा नहीं है। ऐसे में विपक्षी दलों का गठबंधन ही एकमात्र संभावना नजर आती है, लेकिन गठबंधन का नेतृत्व स्वाभाविक ही सबसे बड़ा दल करेगा। अपने गौरवशाली अतीत और मौजूदा राजनीतिक आधार के चलते भी कांग्रेस स्वयं को विपक्ष का स्वाभाविक अगुआ मानती है, लेकिन मोदी का विकल्प बनने की ममता की कवायद कांग्रेस और राहुल के लिए चुनौती है। तृणमूल कांग्रेस के पश्चिम बंगाल से बाहर संगठनात्मक विस्तार में सबसे ज्यादा मार कांग्रेस पर ही पड़ रही है। यह कांग्रेस के लिए खतरे की ऐसी घंटी है, जिसे अनसुना करना भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लगा देगा।

तेल उत्पादों की कर निर्धारण नीति बने तार्किक

सुषमा रामचंद्रन

पेट्रोल और डीज़ल पर हाल में घटाई गई एक्साइज ड्यूटी स्वागतयोग्य है, किंतु यह बहुत देर से उठाया गया कदम है। इस निर्णय ने भाजपा शासित राज्यों में वैट में सापेक्ष कटौती करने का दौर शुरू किया। पंजाब को भी यह कड़वा घूंट पीना पड़ा है जबकि अन्य गैर भाजपा राज्यों में मामला विचाराधीन है। अन्य शब्दों में कहें तो कर-उगाही हेतु पेट्रोल-डीज़ल को सोने का अंडा देने वाली मुर्गी समझ कर दोहन करने के घिसे-पिटे उपाय में केंद्र और राज्य सरकारें कुछ कमी लाई हैं। साथ ही सरकार द्वारा तेल के आपातकालीन भंडार से तेल निकालने की घोषणा से तेल के दामों में कमी होने की उम्मीदें भी जगी हैं।

पेट्रोलियम पदार्थों पर भारी कर लगाने की अगुवाई भले ही केंद्र सरकार की रही हो लेकिन राज्य सरकारें भी तगड़ा टैक्स वसूलने में पीछे नहीं रहीं। वहीं पेट्रोलियम उत्पाद को जीएसटी के दायरे में लाने का प्रस्ताव कभी नहीं आ पाया। केरल उच्च न्यायालय के एक फैसले के बाद बेशक जीएसटी कांउसिल को इस प्रस्ताव पर विचार करना पड़ा, लेकिन आशा के अनुरूप सबकी प्रतिक्रिया नकारात्मक रही। सरकारों को डर है कि अगर पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाया गया तो केंद्र और राज्य, दोनों को, तेल से होने वाली आमदनी में भारी कमी होगी। एक्साइज़ ड्यूटी और वैट लगाने से पहले वाले वक्त में, पेट्रोल पंप वाली खुदरा कीमतों में, इनका अंश लगभग 66 प्रतिशत हुआ करता था। इसके बरअक्स अब तेल-उत्पाद 28 फीसदी वाली जीएसटी स्लैब में हैं। इस स्तर पर भी, प्राप्त कर राज्य और केंद्र सरकारें आपस में बांटती हैं। अगर इसमें और कमी आती है तो यह उनके खजाने को बहुत भारी पड़ेगी। फलत: भारत उन मुल्कों में से एक है जहां पेट्रोलियम उत्पादों पर कर दुनियाभर में सबसे ज्यादा है। यह दर विकसित यूरोपियन देशों के बराबर है लेकिन हमारी देश की आर्थिकी में प्रति व्यक्ति आय विकसित देशों के मुकाबले कम है। तेल की मौजूदा कीमतें आम उपभोक्ता पर कमरतोड़ बोझ हैं, खासकर हाशिए पर आते वर्ग पर।

रसोई गैस की कीमत में हुई हालिया बारम्बार वृद्धि ने ग्रामीण और शहरी, दोनों जगह, इन लोगों पर बुरी तरह चोट की है। इस संदर्भ में उज्वला योजना को गिना जा सकता है कि घरों में धुआं पैदा करने वाली लकड़ी और कोयले से जलने वाली अंगीठी की जगह अब स्वच्छ ईंधन के रूप में एलपीजी ने ले ली है। लेकिन इसमें झोल यह है कि पहले मिले मुफ्त सिलेंडर के बाद इस्तेमालकर्ता के पास रिफिल भरवाने लायक पैसा नहीं होने की वजह से फिर से रिवायती ईंधन की ओर मुड़ना पड़ रहा है। गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ाकर सरकार मुश्किलों में और इजाफा कर रही है। अध्ययन करना जरूरी होगा कि क्या रसोई गैस सिलेंडर के ऊंचे मूल्य की वजह से घरेलू उपभोक्ताओं में इसका चलन कम होने लगा है।

कहने को यह सिद्धांत गिना सकता है कि परिवहन में प्रयुक्त ईंधन पर कर बढ़ाने से न केवल इसकी खपत कम होगी बल्कि खतरनाक कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। कुछ विकसित देश भारी भरकम टैक्स उगाहने के साथ-साथ इस राह को चुनना चाहते हैं। लेकिन भारत के परिप्रेक्ष्य में इसकी प्रासंगिकता कम ही है, जहां ऊंचे कर का नतीजा परिवहन के लिए स्वच्छ ऊर्जा चालित साधनों की ओर मुड़ने वाला नहीं हो सकता। हमारे यहां आज की तारीख में इलेक्ट्रिक (बैटरी) वाहनों की कीमत बहुत ज्यादा है। अतएव समझदारी यही होगी को पेट्रोलियम पदार्थों पर लगाए कर को धीरे-धीरे अधिक हितकारी बनाया जाए, खासकर जब दीर्घकाल में पर्यावरण-मित्र ऊर्जा स्रोत इसकी जगह लेने वाले हैं। हालांकि, यह अल्पकालीन उपाय साफतौर पर आगामी सूबाई चुनावों में वोटर को खुश करने के मद्देनज़र है। तेल में निरंतर मूल्य वृद्धि से परोक्ष बोझ के अलावा, अपरोक्ष असर तमाम वस्तुओं की कीमतों पर चक्रवृद्धि स्वत: पड़ता है।

चुनाव के मद्देनजर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी तब तक संभव नहीं होती जब तक सरकारों के पास सहनयोग्य क्षमता न हो । कोविड जनित मंदी के बाद आर्थिकी की पुन: गति पकड़ना उम्मीद से कहीं ज्यादा तेज रहा है, लिहाजा साल के पहली छमाही में परोक्ष कर उगाही में 74 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। यदि इसको निचले आधार वाला मानें, तब भी यह सूचकांक कर-प्राप्ति में सकल वृद्धि दर्शाता है। इसी तरह, जीएसटी उगाही में अक्टूबर माह में रिकॉर्ड 1.3 लाख करोड़ की आमद हुई है। इसलिए यह समय है कि केंद्र सरकार कर के मोर्चे पर कुछ और बलिदान करे। महामारी के दौरान पेट्रोल पर 13 रुपये और डीजल पर 16 रुपये की जो अतिरिक्त एक्साइज़ ड्यूटी लगाई गई थी, उसको किश्तों में घटाने की बजाय जैसा कि पेट्रोल (5 रुपये) और डीज़ल (10 रुपये) घटाकर किया गया है। इसे एकमुश्त कम किया जाए। तेल क्षेत्र पर जरूरत से ज्यादा कर बोझ डालना आपातकालीन स्थिति से निपटने के फौरी उपाय के तौर पर था। अब जबकि वित्तीय परिदृश्य स्पष्ट: ज्यादा बेहतर है तो बदले हुए हालात की दरकार है पेट्रोलियम उत्पाद कर-नीति को तार्किक बनाने की।

सर्दियों में इम्युनिटी बढ़ाए, वजन घटाये संतरा

सर्दियों के मौसम में खट्टे और रस फल खाने में ज्यादा अच्छे लगते हैं क्योंकि इस समय ये ज्यादा मीठे और रसीले हो जाते हैं। इन मौसमी फलों में संतरे को सबसे अच्छा माना जाता है। ये ना सिर्फ खाने में अच्छा लगता है बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। सर्दियों के मौसम में जैसे-जैसे तापमान कम होने लगता है, हमारी इम्यूनिटी कमजोर होने लगती है, स्किन बेजान होने लगती है और पाचन कमजोर होने लगता है। संतरा एक ऐसा फल है जो स्वस्थ शरीर के साथ दमकती त्वचा देता है। आइए जानते हैं कि सर्दियों में संतरे शरीर को किस तरह फायदा पहुंचाते हैं।

सर्दी-खांसी से बचाता है

ठंड के मौसम में सर्दी-खांसी होना आम बात है। इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि इस मौसम में खूब सारे संतरे खाएं ताकि आपका इम्यून सिस्टम मजबूत बना रहे। हार्वर्ड हेल्थ पब्लिशिंग में छपी एक स्टडी के मुताबिक, सर्दी-जुकाम में विटामिन ष्ट फायदेमंद होता है। संतरे विटामिन ष्ट से भरपूर होते हैं, इसलिए सर्दियों में संतरा खाने से सर्दी-जुकाम से बचा जा सकता है।

इम्यूनिटी और स्किन में फायदेमंद

ठंड के दिनों में स्किन, सेहत और पाचन तीनों खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। संतरे में पाया जाने वाला विटामिन ष्ट शरीर में कुछ कीटाणुओं को रोकने का काम करता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। संतरे में मौजूद विटामिन ष्ट स्किन को हेल्दी बनाकर जवां दिखाने का काम करते हैं।

वजन घटाने में कारगर

संतरे में खूब सारा फाइबर होता है जो वजन कम करने के साथ-साथ पाचन को भी मजबूत करता है। घुलनशील फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखता है और ओवरइटिंग की आदत से बचाता है। इसकी वजह से शरीर में कैलोरी की मात्रा कम रहती है। संतरे के जूस से ज्यादा इसका फल फायदेमंद होता है।

दिल के लिए अच्छा

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की एक स्टडी के अनुसार, खट्टे फल, खासकर कि संतरे और अंगूर खाने से स्ट्रोक का खतरा कम होता है। ऐसा माना जाता है कि संतरे में मौजूद फ्लेवोनोइड्स दिल की बीमारियों से बचाते हैं। ये रक्त कोशिकाओं के फंक्शन को भी बेहतर करते हैं।

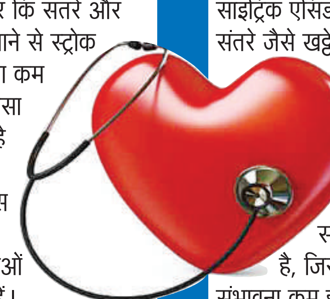

किडनी स्टोन की संभावना कम करता है

पेशाब में साइट्रेट की कमी की वजह से किडनी स्टोन हो सकता है। साइट्रेट एक साइट्रिक एसिड होता है जो आम तौर पर संतरे जैसे खट्टे फलों में पाया जाता है। छोटी पथरी वाले मरीजों को आमतौर पर एक गिलास संतरे का जूस पीने की सलाह दी जाती है। ये पेशाब में साइट्रेट के स्तर को बढ़ाता है, जिससे स्टोन बनने की संभावना कम हो जाती है।

हंसना मना है

पूरे विश्व में भारत ही एक ऐसा देश है जहां आप रेलवे स्टेशन जाकर पूछ सकते हैं कि, भाई 9 बजे वाली ट्रेन कितने बजे आएगी...

मास्टर: पढ़ाई शुरू कर दो, पेपर आने वाले हैं। सोनू: मैं तो खूब पढाई करता हूं, कुछ भी पूछ लो। मास्टर: बता ताजमहल किसने बनाया। सोनू: मिस्त्री ने। मास्टर: अबे गधे मतलब किसने बनवाया। सोनू: ठेकेदार ने बनवाया होगा...

बच्चा: मम्मी आप तो कहती थीं कि परी उड़ती है फिर अपनी पड़ोसन आंटी उड़ती क्यों नहीं? मम्मी: उस बंदरिया को परी किसने कहा? बच्चा: डैडी ही उन्हें परी कहकर बुला रहे थे। मम्मी: तो फिर बेटा आज उड़ेगी वो आंटी और साथ में तुम्हारे पापा भी।

राकेश: यार तू अपनी बीवी को किस नाम से बुलाता है? रमेश: गूगल डार्लिंग। राकेश: ये कैसा नाम हुआ। रमेश। क्या करूं, सवाल एक करता हूं और जवाब 100 मिलते हैं।

एक अजनबी लड़की आधी रात को बिहारी वकील को फोनकर बोली... लड़की: आप मेरा फ्रेंड बनेंगे। बिहारी वकील: हां क्यों नहीं, आपका नाम क्या है। लड़की: धारा बिहारी वकील: कौन सी धारा 144 या 145। लड़की ने तुरंत फोन काट दिया...

कहानी: विदेशी की मातृभाषा

एक बार अकबर के दरबार में एक विदेशी आया। उसने बादशाह अकबर के सामने एक चुनौती रखी, आप लोग मेरी मातृभाषा बताइए या फिर स्वीकार कर लीजिए कि आपके यहां सब मूर्ख हैं। दरबारियों ने उससे अलग-अलग भाषाओं में प्रश्न किए। हर भाषा में उसने सही उत्तर दिए। वह हर भाषा इतनी अच्छी तरह बोलता था कि जैसे वही उसकी मातृभाषा हो। इसलिए कोई भी दरबारी उसकी मातृभाषा का पता नहीं लगा सका। अंत में उसने अकबर बादशाह से कहा, मैं अपनी मातृभाषा मालूम करने के लिए आपको सात दिन का समय देता हूं। कहिए स्वीकार है? अकबर ने बीरबल की ओर देखा। बीरबल ने इशारे से हामी भर दी। अकबर ने विदेशी से कहा, हमें आपकी बात स्वीकार है। विदेशी एक धर्मशाला में ठहरा दिया गया। रात को जब वह सो गया तो बीरबल वहां पहुंचे। बीरबल ने एक तिनका लेकर विदेशी के कान में घुमाया। विदेशी ने सिर झटका और कान पर हाथ फेरा। फिर वह करवट बदलकर सो गया। बीरबल ने उसके दूसरे कान में तिनका घुमाया। विदेशी घबराकर उठ बैठा और झल्लाते हुए बोला, अरे! कोण छे, मने ऊधमां हेरान करे दे? (कौन है रे? मुझे नींद में परेशान करता है)। विदेशी के कान में तिनका घुमाकर बीरबल छिप गये थे। इसलिए विदेशी उन्हें देख नहीं सका। वह फिर गहरी नींद में सो गया। बीरबल वहां से सीधे अपने घर आ गये। सातवें दिन विदेशी दरबार में हाज़िर हुआ। बीरबल ने अलग-अलग भाषाओं में उससे बात की। फिर उसने अकबर से कहा, बादशाह सलामत! इन महाशय की मातृभाषा गुजराती है। यह सुनकर विदेशी आश्चर्य में पड़ गया। आज पहली बार कोई उसकी मातृभाषा का सही पता लगा पाया था। उसने बीरबल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और दरबार से जाने से पहले बोला, धन्य है भारतभूमि! जहां बीरबल जैसे बुद्धिमान बसते हैं। उसके जाने के बाद अकबर ने पूछा, बीरबल! इतना कठिन कार्य तुमने किया कैसे ? जहांपनाह! बीरबल बोले, जब मनुष्य पर दुख पड़ता है या फिर वह अचानक नींद से जागता है, तब वह अपनी मातृभाषा में ही बोलता है। इतना कहकर बीरबल ने रात की सारी घटना कह सुनायी। सभी ने बीरबल की प्रशंसा की। अकबर ने बीरबल को सहर्ष अपने गले का हार भेंट में देकर उसका सम्मान किया।

शिक्षा : जब आप चाहते हैं कि लोग आपको सच बताएं तो यह जरूरी है कि उन्हें बिना चौकसी के पकड़ना सच को सामने लाता है। हमें अपने बारे में अपने आस-पास के लोगों से कोई बात नहीं छिपानी चाहिए। अगर हम ऐसा करते हैं तो बिल्ली देर सवेर बैग से बाहर आ ही जाती है।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा।

तुला प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

वृश्चिक दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें।

मिथुन अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

धनु घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

कर्क मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है।

मकर यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। अज्ञात भय व चिंता रहेंगे।

सिंह उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। प्रमाद न करें।

कुम्भ पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कन्या नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा।

मीन पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा।

तलाक की खबरों के बीच प्रियंका ने निक जोनस संग शेयर की रोमांटिक तस्वीर

प्रियंका चोपड़ा और अमेरिकन सिंगर निक जोनस इन दिनों अपने तलाक की खबरों को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस कारण दोनों के ही फैंस काफी निराश और हैरान हैं। प्रियंका ने निक संग शेयर की फोटो अब तलाक की खबरों के बीच प्रियंका ने हाल ही में पति निक जोनस के साथ रोमांटिक फोटो शेयर की है, जिसमें दोनों एक-दूजे की आंखों में खोए नजर आ रहे हैं। फोटो में देखा जा सकता है कि निक और प्रियंका सोफे पर बैठे हुए हैं और एक-दूजे की बाहों में सिमटे हुए बेहद प्यारे लग रहे हैं। प्रियंका ने रोमांटिक मूड में निक को बाहों में पकड़ रखा है तो वहीं, निक भी एक्ट्रेस को बड़े ही प्यार से देख रहे हैं।

निक ने भी शेयर की तस्वीर

फोटो शेयर करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, ऐसा बहुत कुछ है जिसके लिए मैं आभारी हूं। दोस्त, परिवार।।। मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं निक जोनस। थैंक्स गिविंग की शुभकामनाएं सभी को जो मना रहे हैं। वहीं निक ने भी अपने इंस्टाग्राम पेज पर प्रियंका के साथ रोमांटिक तस्वीर शेयर की हैं। निक और प्रियंका की इस तस्वीर को देखकर उनके फैंस भी काफी खुश नजर आ रहे हैं।

प्रियंका ने हटाया निक जोनस का सरनेम

बता दें कि पिछले दिन अचानक प्रियंका ने सोशल मीडिया पर अपने नाम के पीछे से निक जोनस का सरनेम जोनस हटा दिया था। इसके बाद से ही दावा किया जाने लगा है कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा और ये तलाक ले सकते हैं। थोड़ी ही देर में यह खबर आग की तरह सोशल मीडिया पर फैल गई।

बॉलीवुड मसाला

2018 में हुई थी शादी

गौरतलब है कि प्रियंका और निक की शादी 2018 में राजस्थान के जोधपुर में बिल्कुल शाही अंदाज में हुई थी। हिन्दू रीति-रिवाज के अलावा इन्होंने ईसाई धर्म के अनुसार भी शादी की। इनकी शादी और रिसेप्शन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थीं।

बॉलीवुड मन की बात

स्वरा भास्कर जल्द बनेंगी मां, बच्चा लेंगी गोद

बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर हमेशा ही सुर्खियों में बनी रहती है। कभी अपने राजनीतिक-सामाजिक बयानों के कारण तो कभी ट्रोलर्स के निशाने पर रहने के कारण स्वरा चर्चा में बनी ही रहती हैं। बीते दिनों दिवाली के मौके पर एक्ट्रेस अनाथ बच्चों के साथ सेलिब्रेट करती नजर आई थीं और अब खबर है कि वो एक बच्चे को गोद लेने का प्लान बना रही हैं। फैंस यह खबर मिलने के बाद से उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। मालूम हो कि फिलहाल स्वरा किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं, बल्कि सिंगलहुड का आनंद ले रही हैं। ऐसे में उन्होंने फैसला लिया है कि वो जल्द ही एक बच्चे को गोद लेंगी। इसकी कानूनी प्रक्रिया लंबी होती है इसलिए इसपर भी स्वरा आगे बढ़ चुकी हैं। एक इंटरव्यू में बातचीत करते हुए स्वरा ने बताया कि उन्हें हमेशा से ही परिवार और बच्चे की ख्वाहिश थी। उन्होंने कहा था कि मुझे लगता है कि अडॉप्शन एक ऐसा रास्ता है, जिससे मैं अपने इस सपने को पूरा कर सकती हूं। उन्होंने बताया कि गोद लेने का फैसला करने से पहले मैंने कई ऐसे दंपतियों से मुलाकात की जिन्होंने बच्चा गोद लिया है। मैंने उनसे बातचीत की और उनके अनुभव पर रिसर्च किया। इसकी पूरी प्रक्रिया और इसके नतीजे पर भी गहनता से ध्यान दिया। स्वरा ने बताया कि उनके इस निर्णय पर परिजन भी साथ हैं और उन्हें सपोर्ट कर रहे हैं। उन्होंने अडॉप्शन के लिए अप्लाई कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि लंबी प्रक्रिया होने के कारण मुझे थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है, लेकिन अब पेरेंट्स बनने के लिए मुझसे और इंतजार नहीं हो रहा।

वेबसीरीज मत्स्य कांड में पुलिस ऑफिसर का किरदार निभा रहे रवि किशन

भोजपुरी सिनेमा के मेगास्टार रवि किशन वेब सीरीज मत्स्य कांड में नजर आ रहे हैं। अजय भुइयां निर्देशित मत्स्य कांड में रवि किशन के साथ रवि दुबे मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में रवि किशन पुलिस ऑफिसर जबकि रवि दुबे चोर की भूमिका में दिख रहे हैं।

रवि किशन ने एसीपी तेजराज सिंह जबकि रवि दुबे ने मत्स्य थडा का किरदार निभाया है। मतस्य थडा लोगों को जाल में फंसाकर उन्हें लूटकर चला जाता है। मत्स्य थडा को पकड़ने के लिए एसीपी तेजराज सिंह को बुलाया जाता है।

रवि किशन ने कहा, दो योग्य प्रतिद्वंद्वी और एक ऐसा चेहरा जो आपको स्क्रीन से जोड़े रखेगा, यह श्रृंखला एक प्रतिभाशाली चोर और एक दुष्ट पुलिस वाले के बीच चयन करने का कठिन विकल्प है। एक्शन, ड्रामा, इमोशन और थ्रिल-इस वेब सीरीज में दर्शकों के लिए सब कुछ है और मुझे उम्मीद है कि उन्हें इसे देखने में उतना ही मजा आएगा, जितना कि पूरी कास्ट/क्रू को इसे बनाने में मजा आया।

रवि दुबे ने कहा, मत्स्य थड़ा एक बहुत ही सतर्क व्यक्ति है जो अपनी मुट्ठी के बजाय अपने दिमाग से लड़ता है। वह भेष बदलने में माहिर हैं और कांड को खींचने के लिए तर्क का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। मुझे यह किरदार पसंद है क्योंकि वह एक अपरंपरागत चोर कलाकार है। स्क्रिप्ट खूबसूरती से लिखी गई है और दर्शकों को कभी नहीं पता होगा कि आगे क्या करना है।

मत्स्य कांड वेब सीरीज 18 नवंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर पर रिलीज हो चुकी है। मत्स्य कांड वेब सीरीज सस्पेंस, थ्रिलर और एक्शन से भरपूर है। यह वेब सीरीज चोर और पुलिस की अनोखी लड़ाई पर आधारित है।

नये रिसर्च में दावा, 40 करोड़ साल पहले कुत्ते के आकार के होते थे बिच्छू

बिच्छू जो इंसान की हथेली में समा जाए, वहीं जहरीले बिच्छू किसी जमाने में कुत्ते के आकर के हुआ करते थे। यह बात लोगों को चौंका देगी की अभी से 40 करोड़ साल पहले ऐसे बिच्छू धरती पर पाया जाता था। कुछ समय पहले एक रिसर्च के दौरान इनके एक पुराने जीवाश्म से यह बात सामने आई है। रिसर्च चीन के नानजिंग इंस्टीट्यूट ऑफ जियोलॉजी एंड पैलेंटियोलॉजी द्वारा किया गया है, इस जीवाश्म को किसी आम बिच्छू की तरह ही माना जा रहा था पर जब इसके बारे में रिसर्च किया गया तो पता चला कि असलियत में इसका आकार एक कुत्ते के समान है जो कि अभी के बिच्छू से लगभग 16 गुना बड़ा है। 40 करोड़ साल पुराने इस जीवाश्म वाला बिच्छू एक समय पर चीन के में समुद्र राज किया करता था। इसे एक खास टेरोप्टेरस जियुहेनेसिस नाम दिया गया है। आज के समय में इस कुत्ते जैसे आकार के बिच्छू के रिश्तेदार हॉर्सशू क्रैब और व्हिप स्पाइडर हैं। आज के दौर में पाए जाने वाले बिच्छुओं की तरह इसके भी आगे की ओर दो सूंड और पीछे एक डंक मारने वाली पूंछ हुआ करती थी। साइंस बुलेटिन जर्नल ने भी इस पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। बताया जाता है कि कुत्ते के आकार वाले यह बिच्छू सिलुरियन काल में धरती पर मौजूद थे। 44.38 करोड़ साल से 41.92 करोड़ साल तक यह समुद्र के अंदर निडर शिकार किया करते थे। यह ज्यादातर मछलियों और मोल्स्क को अपना शिकार बना कर खाया करता था। यह जिन हैथों की मदद लेता था उसे पेडीपैल्स कहते हैं। यह गोंडवाना उपमहाद्वीप में पाया जाता था, गोंडवाना का निर्मान पैंजिया के दो टुकड़ों में टूटने से हुआ था।

अजब-गजब | सेलरी सुन उड़ जाएंगे होश

बिना क्वालिफिकेशन के दुनिया के सबसे खूबसूरत महल में निकली नौकरी

इंग्लैंड की महारानी Queen Elizabeth सेकंड इन दिनों अपने लिए पत्र लिखने वाले एक व्यक्ति की तलाश कर कर रही हैं। बकिंघम पैलेस (Buckingham Palace) में वैकेंसी खाली है और इस पद पर अप्लाई करने वाले को किसी योग्यता की आवश्यकता नहीं होगी। राजमहल की ओर से जारी नोटिफिकेशन में बताया गया है कि पत्र लिखने वाले व्यक्ति को क्वीन एलिजाबेथ £23k (22,83,953 in rupee) वेतन का भुगतान करेंगी। यह शाही भूमिका (Royal role) न केवल आपको महामहिम (Majesty) के लिए काम करने की अनुमति देगी बल्कि आपको दुनिया के सबसे ग्लैमरस और प्रतिष्ठित कार्यालयों में एक बकिंघम पैलेस (Buckingham Palace) में रहने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

बता दें कि रॉयल हाउस को दुनिया भर के प्रशंसकों से हर साल हजारों पत्र मिलते हैं और रानी उन सभी का जवाब देने में मदद करने के लिए एक असिस्टेंट कॉरसपोंडेंस ऑफिसर (Assistant Correspondence Officer) की तलाश कर रही हैं। रॉयल फैमिली का मानना है कि इनमें से हर पत्र एक

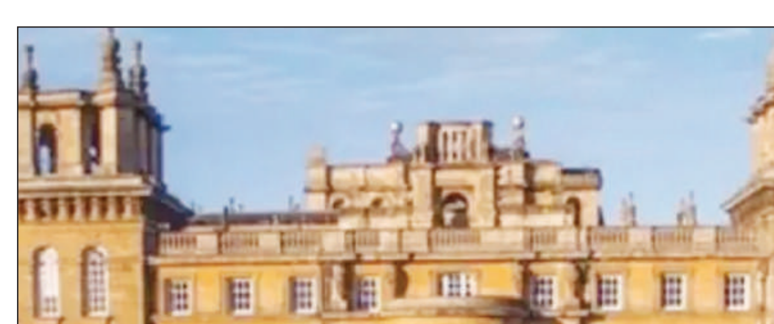

विचारशील और समय पर प्रतिक्रिया का हकदार है। दूसरे शब्दों में कहें तो जो भी महल में निकली इस पोस्ट पर तैनात होगा उसे रानी को मिले खतों का जवाब बिना देर किए हुए देना होगा। ऐसा व्यक्ति जो नौकरी करने के लिए भाग्यशाली होगा, वो रानी के शुभकामनाओं वाले सामान्य संदेश भेजने वाले प्रशंसकों द्वारा पूछे गए सवालों का उत्तर देने में भी सक्षम होना चाहिए। यह उस व्यक्ति की अहम जिम्मेदारी होगी जिसके बारे में एक विज्ञापन भी जारी किया गया है।

नौकरी के विज्ञापन में कहा गया है कि कर्मचारी 'द रॉयल हाउसहोल्ड के महत्वपूर्ण काम' (important work of The Royal Household) का समर्थन करने में मदद करेगा। राजभवन की ये फुल टाइम जॉब एक साल के फिक्स टर्म कॉन्ट्रैक्ट फरवरी 2022 और फरवरी 2023 की ड्यूरेशन का होगा। द रॉयल हाउसहोल्ड के साथ काम करने के बेनेफिट्स में 33 दिनों की छुट्टी, ट्रेनिंग और एक पेंशन योजना शामिल है। इस पद के आवेदन 5 दिसंबर, 2021 तक जारी रहेंगी। इसलिए यदि आप अगले साल महल में बिताना चाहते हैं तो आप जितनी जल्दी हो सके आवेदन करें।

प्रयागराज में भीषण सड़क हादसा, पांच लोगों की मौत

» नवाबगंज स्थित हाईवे पर ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर

» शादी समारोह में शामिल होकर लौटे रहे थे बाइक सवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। जिले में भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें चार लोग एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। हादसा नवाबगंज थाना क्षेत्र में श्रृंगवेरपुर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप हुआ। बताते हैं कि एक ही बाइक पर सवार होकर रविवार की रात में पांच लोग बरात में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। गांव घाट के समीप हादसा हुआ।

शादी समारोह में शामिल होने के बाद रविवार की रात करीब 12 बजे एक ही बाइक पर सवार होकर सभी वापस आ रहे थे। रास्ते में श्रृंगवेरपुर हाईवे मार्ग पर ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे पांचों लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चीख-पुकार मची तो आस पास के रहने वाले ग्रामीणों की नींद खुल गई। राहगीर भी वहां पहुंचे। तत्काल ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में वहां पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से पांचों गंभीर रूप से जख्मी लोगों को अस्पताल भिजवाया। अस्पताल ले जाने पर डाक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में नवाबगंज के बुदौना गांव निवासी राम सरन पाल 60 उनके बेटे लल्लू पाल 35, समय लाल 35 एवं नाती अर्जुन पाल 11 के साथ राम चंदर पाल उर्फ ऊंटहरा 55 वर्ष शामिल हैं। सभी लोग रविवार रात प्रतापगढ़ के हथिगवां गांव में आयोजित एक शादी समारोह में गए थे। पुलिस ने शवों का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर हादसे की जानकारी होने पर मृतकों के परिवार के लोग बिलखते हुए वहां पहुंचे। गांव में परिजनों की चीत्कारों से गांव में मातम सा छाया हुआ है। पुलिस टक्कर मारने वाले ट्रक के बारे में जानकारी जुटा रही है। हादसे के बाद ट्रक लेकर चालक फरार हो चुका था। गौरतलब है कि इस घटना से पहले प्रयागराज शहर के खुल्दाबाद में एक बाइक पर सवार जीजा और साली की मौत हो गई थी। उस हादसे में तीन बच्चे भी जख्मी हो गए थे। सभी लोग एक ही बाइक पर सवार थे। अटाला में कार चालक ने टक्कर मारी थी।

ठगी में हेलो राइड कंपनी का मालिक गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पांच साल में 10 हजार निवेशकों से ठगे एक अरब रुपये

लखनऊ। एक अरब से अधिक की ठगी के मामले में लखनऊ की हजरतगंज पुलिस ने रविवार को राजाजीपुरम से हेलो राइड कंपनी के मालिक अभय कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। वह रुपये दोगुना करने, प्लाट दिलाने और बाइक टैक्सी के नाम पर मोटा मुनाफा देकर लोगों के रुपये कंपनी में लगवाता था। इसके बाद सारा रुपया हड़प लेता था।

डीसीपी सेंट्रल डा. ख्याति गर्ग ने बताया कि अभय के खिलाफ विभूतिखंड और हजरतगंज कोतवाली में 36 मुकदमे दर्ज हैं। उसने 2013 में इनफिनिटी वर्ड इंफ्रावेंचर के नाम से कंपनी की शुरूआत की थी। इसमें रियल एस्टेट का काम करता था। इसके बाद 2017 में अभय ने साथी राजेश पांडेय, रागिनी गुप्ता, निखिल कुशवाहा, नीलम वर्मा समेत अन्य के साथ मिलकर ओजोन इनफिनिटी वर्ड एग्रो प्रोड्यूसर नाम से कंपनी बनाई। इस कंपनी में रुपये दोगुना करने का झांसा देकर लोगों से निवेश कराता था। पांच साल में 10 हजार से अधिक निवेशकों से ठगी की है। वह ढाई साल से फरार चल रहा था। वहीं, रियल स्टेट कंपनी में भी यही लोग इसके पार्टनर थे। मार्च 2019 में विभूतिखंड पुलिस ने अभय को गिरफ्तार किया था। कुछ माह बाद वह जमानत पर रिहा हो गया था। इसके बाद छुपकर गिरोह का संचालन करता था। इसके पार्टनर आजम पर भी 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। उसे नवंबर माह में एसटीएफ ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अभय फरार चल रहा था।

देश में धीमी हो रही कोरोना की रफ्तार

» 24 घंटों में मिले 8,309 नए मामले 236 मरीजों ने गंवाई जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के आंकड़े 10 हजार के अंदर बने हुए हैं। बीते 24 घंटों में देश में कोरोना के 8 हजार 309 नए मामले सामने आए। इस दौरान 236 मरीजों की मौत हुई। फिलहाल, देश में एक लाख 3 हजार 859 मरीजों का इलाज जारी है। नए आंकड़ों को मिलाकर देश में संक्रमितों की संख्या 3 करोड़ 45 लाख 80 हजार 832 पर पहुंच गई है। वहीं, अब तक 4 लाख 68 हजार 790 मरीज जान गंवा चुके हैं।

महाराष्ट्र में रविवार को कोविड-19 के 832 नये मामले सामने आने के साथ कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 66,34,444 हो गयी जबकि 33 और रोगियों की मौत होने से मृतकों की तादाद 1,40,941 तक पहुंच गई है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक राज्य में बीते 24 घंटे में 841 रोगियों के सक्रमण से उबरने की पुष्टि हुई है जिसके बाद संक्रमण मुक्त होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 64,81,640 हो गई है। वहीं केरल में कोरोना के 4,350 नए मामले सामने आए तथा 159 और लोगों की मौत हो गई। दिल्ली में कोरोना के 32 नए मामले सामने आए और एक व्यक्ति की मौत हो गई।

वाराणसी में मासूम बच्ची से दुष्कर्म, आरोपी फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। सिगरा थाना क्षेत्र में रविवार की शाम मासूम से दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया। घटना उजागर होते ही आरोपित युवक और परिवार के पुरुष सदस्य घर छोड़कर भाग निकले। परिवारीजनों की शिकायत पर घटना स्थल पहुंची पुलिस पीड़िता के परिवारीजनों से पूछताछ की। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई है।

सिगरा क्षेत्र की पांच वर्षीय बच्ची अपनी दादी के साथ दिन में पड़ोस में वैवाहिक कार्यक्रम में गई। वहां आरोपी युवक निसार भी मौजूद था। पीड़िता के परिवारीजनों का कहना है कि निसार चाकलेट के बहाने बच्ची को 50 मीटर दूर अपने घर ले गया और दरिंदगी की। शाम को घर पहुंची पीड़िता ने अपनी मां को अपबीती सुनाई। पीड़िता के पिता की तहरीर पर 376 और पक्सों की धाराओं में मुकदमा कायम किया गया है।

सलाहकारों को नहीं मिलेगा राज्यमंत्री का दर्जा: गहलोत

» विवाद पर राजस्थान के सीएम ने दी सफाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। सीएम अशोक गहलोत ने अपने छह सलाहकारों की नियुक्ति को लेकर उठ रहे विवादों पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि इन्हें कैबिनेट मंत्री या राज्यमंत्री का दर्जा नहीं मिलेगा। हम सरकार चला रहे हैं और हमें भी यह पता है कि किसे सलाहकार बनाया जा सकता है और किसे नहीं। संसदीय सचिवों और सलाहकारों की नियुक्तियां पहले होती रही हैं लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इन्हें सुविधाएं और दर्जा नहीं दिया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सलाहकारों को लेकर अभी तक कोई आदेश नहीं निकाला है क्योंकि हम विवाद नहीं चाहते हैं लेकिन अगर मैं किसी से सलाह लेता हूं तो इसमें किसी को क्या ऐतराज हो सकता है? गहलोत ने कहा कि मैं किसी भी मसले पर किसी से भी सलाह ले सकता हूं और किसी भी पत्रकार, साहित्यकार या किसी और को अपना सलाहकार बना सकता हूं। मुख्यमंत्री के इस बयान से कयास लगाए जा रहे हैं कि अब संसदीय सचिवों की नियुक्तियां भी खटाई में पड़ सकती हैं। गहलोत ने कहा कि मंत्रिमंडल पुनर्गठन में अच्छा सामंजस्य बनाने का प्रयास किया लेकिन सभी को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। गहलोत ने गजेन्द्र सिंह शेखावत प्रधानमंत्री द्वारा की गई घोषणा को भी पूरा नहीं करवा पाए।

बिहार के पिछड़ेपन के लिए नीतीश जिम्मेदार: चिराग

» पचास फीसदी से अधिक लोग जी रहे गरीबी रेखा के नीचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के मुखिया चिराग पासवान ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार अभी भी पिछड़ा राज्य है इसका जिम्मेदार कौन है? इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जिम्मेदार हैं

उन्होंने कहा कि बिहार में 50 फीसदी से ज्यादा लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं लेकिन मुख्यमंत्री और संभवत: उनके कई अधिकारी भी गरीबी रेखा को पार करके बहुत आगे चले गए हैं। ये लोग किस बात का जश्न मना रहे हैं जबकि नीति आयोग की रिपोर्ट कह रही है कि इतने लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं। इससे पहले नीति आयोग ने बहुआयामी गरीबी सूचकांक जारी किया था। इसके मुताबिक, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश भारत के सबसे गरीब राज्यों के रूप में उभरे हैं। सूचकांक के अनुसार, बिहार की 51.91 प्रतिशत जनसंख्या गरीब है, इसके बाद झारखंड में 42.16 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 37.79 प्रतिशत लोग गरीब हैं। सूचकांक में मध्य प्रदेश (36.65 प्रतिशत) को चौथे स्थान पर रखा गया है, जबकि मेघालय (32.67 प्रतिशत) पांचवें स्थान पर है।

किसानों की चन्नी को चेतावनी, गन्ने का मूल्य नहीं बढ़ा तो चंडीगढ़ को बना देंगे दिल्ली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में गन्ना मूल्यों को लेकर चन्नी सरकार की मुश्किलें बढ़ने वाली है। अब तक गन्ना मूल्यों को लेकर सरकार के कोई समाधान नहीं किए जाने को लेकर किसानों के तेवर तल्ख हो गए हैं। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी मांगों का समाधान नहीं किया तो वह चंडीगढ़ को दिल्ली बनाने से गुरेज नहीं करेंगे। उन्होंने सरकार को इसके लिए 14 दिन का समय दिया है।

किसान एकता मोर्चा की ओर से कहा गया है कि पंजाब के मुख्यमंत्री ने किसानों को भरोसा दिया था कि एक दो दिन में ही उनकी समस्या का समाधान हो जाएगा। मुख्यमंत्री के आश्वासन के 14 दिन बाद भी अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। मोर्चा ने कहा, किसान पहले से ही यह स्पष्ट कर चुके हैं कि 325 और 35 रुपये जोड़कर गन्ने का मूल्य नहीं लेंगे। किसानों को गन्ने का मूल्य 360 रुपये या तो गन्ना मिल मालिक दें या पंजाब सरकार।

मोर्चा के किसान नेता मनजीत सिंह राय, जंगवीर चौहान, बलविंदर सिंह ने बताया कि किसानों के साथ हुई मुख्यमंत्री की बैठक के बाद भी अभी तक उनकी मांगों पर कोई सुनवाई नहीं हुई है, जिस कारण मोर्चा की ओर से संघर्ष का रास्ता अख्तियार किया गया है।

14 दिन की दी मोहलत, मुख्यमंत्री पर कार्रवाई नहीं करने का लगाया आरोप

किसानों के प्रदर्शन के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने गन्ना मूल्यों में वृद्धि का फैसला किया था। किसान नेताओं के साथ बैठक के बाद सरकार ने गन्ना मूल्य 310 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 360 रुपये किया था। कैप्टन के इस्तीफे के बाद चन्नी के मुख्यमंत्री बने 70 दिन से अधिक हो गए हैं, लेकिन अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है।

सेंट्रल विस्टा को लेकर केंद्र पर भड़का सुप्रीम कोर्ट, पूछा

प्रदूषण रोकने को क्या किये उपाय

» जारी निर्माण कार्य पर मांगा जवाब, अनदेखी हुई तो तैनात करेंगे टास्क फोर्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील विकास सिंह ने कहा कि आदेश के तहत दिल्ली में निर्माण कार्य बंद हैं लेकिन इसके बावजूद सेंट्रल विस्टा का काम जारी है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को फटकार लगाते हुए कहा है कि वह केंद्र से पूछेगा कि क्या सेंट्रल विस्टा का काम जारी रखने से दिल्ली में वायु प्रदूषण नहीं बढ़ रहा है। उन्होंने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से सवाल किया कि प्रदूषण रोकने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं। कोर्ट ने कहा कि हम वायु प्रदूषण को रोकने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, चाहें वह सेंट्रल विस्टा हो या कुछ और यह मत सोचो हम कुछ नहीं जानते। आपको जवाब देना ही होगा।

कोर्ट ने इस दौरान पंजाब सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने पंजाब सरकार से कहा कि वह सीधा-सीधा जवाब दें, हमें पोस्टऑफिस न समझें और न ही उस तरह व्यवहार करें। कोर्ट में सुनवाई के दौरान केंद्र के हलफनामे के जवाब में पंजाब सरकार की ओर से एडवोकेट जनरल जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पराली जलाने के अलावा कोई निर्देश जारी नहीं किया गया है। कई राज्य इसमें दिलचस्पी दिखा रहे हैं। हमें केंद्र के साथ हाथ मिलाकर काम करने की जरूरत है। आप केंद्र को निर्देश दें कि हमारा सहयोग करे। इस पर कोर्ट ने कहा कि हमें पोस्टऑफिस न समझो, सीधे-सीधे केंद्र के हलफनामे का जवाब दें। सुप्रीम कोर्ट ने उन राज्यों को भी फटकार लगाई है जिन्होंने प्रदूषण को रोकने के लिए केंद्र, कोर्ट और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया है। कोर्ट ने कहा कि अगर दिशा-निर्देशों की अनदेखी की जा रही है तो टास्क फोर्स तैनात की जाएगी। गौरतलब है कि सेंट्रल विस्टा का निर्माण नयी संसद भवन के रूप में किया जा रहा है और प्रदूषण को देखते हुए कोर्ट ने निर्माण कार्यों पर कुछ समय के लिए बैन लगाया है।

अब दो दिसंबर को होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश सरकार से प्रदूषण की रोकथाम के लिए उठाए गए कदमों और उनके अनुपालन की रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने कहा कि आयोग द्वारा जो भी निर्देश दिए गए हैं, उनका पालन हुआ है कि नहीं इस पर विस्तृत रिपोर्ट वह पेश करे। इसके अलावा कोर्ट ने केंद्र से भी पूछा है कि कौन सा राज्य निर्देशों का पालन नहीं कर रहा है, उसका नाम बताएं। कोर्ट अब इस मामले में दो दिसंबर को सुनवाई करेगा।

कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर सरकार अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दक्षिण अफ्रीका से शुरू होकर अन्य कई देशों पर पहुंचे कोरोना वायरस के ओमिक्रोन वेरिएंट को केन्द्र के साथ उत्तर प्रदेश सरकार हाई अलर्ट पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने ओमिक्रोन वेरिएंट को लेकर अपनी जोरदार तैयारी भी शुरू कर दी है। प्रदेश में करीब 80 हजार निगरानी समितियां अलर्ट हैं। इसके तहत सभी एयरपोर्ट पर यात्रियों की गहन चेकिंग भी की जा रही है।

दक्षिण अफ्रीका और बोत्सवाना सहित 12 देशों में अब कोरोना संक्रमण के ओमिक्रोन वेरिएंट के पाए जाने के बाद उत्तर प्रदेश में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। 80 हजार निगरानी समितियों को सतर्क कर दिया गया है। इसके साथ ही प्रदेश में एयरपोर्ट, रेलवे व बस स्टेशन पर 64 हजार हेल्प डेस्क तैयार की गई हैं। यह सभी लोग यात्रियों की पड़ताल में लगे हैं। विदेश से आ रहे लोगों की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव होने के बावजूद उन्हें गाइडलाइन के अनुसार सात दिन होम क्वारंटाइन में रहना होगा।

रामगंगा नदी पर बना कोलाघाट पुल गिरा कोई हताहत नहीं

» शाहजहांपुर-दिल्ली मार्ग पर आवागमन बंद, रुट डायवर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। जलालाबाद से मिर्जापुर को जोड़ने वाले रामगंगा नदी पर बना कोलघाट का पुल आज सुबह गिर गया जिससे इस मार्ग का आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया। शाहजहांपुर-दिल्ली मार्ग पर 2002 में करीब 11 करोड़ से रामगंगा नदी पर कोलाघाट पुल बनाने को मंजूरी मिली थी। वर्ष 2008 में इस पुल पर आवागमन भी शुरू हो गया था। करीब दो सालों से इस पुल पर कई जगह गड्ढे हो गए थे।

कई बार स्थानीय ग्रामीणों ने इसको लेकर अधिकारियों को भी अवगत कराया लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया। आज सुबह करीब तीन बजे पुल भरभरा कर रामगंगा नदी में गिर गया। गनीमत रही कि उस समय पुल पर कोई निकल नहीं रहा था। जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। वहीं जलालाबाद व मिर्जापुर पुलिस को सूचना मिली तो मौके पर जाकर वाहनों को डायवर्ट कराना शुरू कर दिया। जलालाबाद जाने के लिए करीब 60 किमी का अधिक चक्कर लगाकर अल्हागंज होकर जाना पड़ रहा है।

बेहतर पुलिसिंग के लिए पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर सम्मानित

महापौर संयुक्ता भाटिया ने प्रदान किया स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र
आशियाना परिवार ने प्रतिभा व कर्तव्यपरायणता के लिए किया अभिनंदन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आशियाना परिवार ने प्रतिभा और कर्तव्यपरायणता सम्मान की कड़ी में रविवार को पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर को सम्मानित किया। मेयर संयुक्ता भाटिया ने पुलिस कमिश्नर को अंगवस्त्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। डीके ठाकुर ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने पुलिस और जनता के बीच सामंजस्य स्थापित करने प्रयास किया। इसमे काफी हद तक सफलता भी मिली है। साथ ही सम्मान के लिए संस्था का आभार व्यक्त किया।

संयोजक आरडी द्विवेदी ने बताया कि आशियाना परिवार प्रतिभा व कर्तव्यपरायण लोगों का सदैव सम्मान करता आया है। सम्मान समारोह में पूर्व मंत्री व विधायक शारदा प्रताप शुक्ला, पूर्व एमएलसी अरविंद त्रिपाठी, समाजसेवी शिवशंकर अवस्थी, अलका सिंह, विनीता सिंह, पूर्व पार्षद राजेन्द्र पांडे, डॉ. एस मुंशी, डॉ. संजीव अवस्थी, सत्यानंद पांडेय, डॉ. डीएम तिवारी, सिद्धार्थ जैन, आरआर जैन, कुशल चंदानी समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। इस मौके पर डॉ. संजीव अवस्थी, अरविंद त्रिपाठी का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में आशियाना परिवार के मीडिया प्रभारी राकेश यादव ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मेरा जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित: अनिल दुबे

» रालोद के राष्ट्रीय सचिव को भी किया गया सम्मानित

आशियाना परिवार द्वारा राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय सचिव व लखनऊ के प्रमुख समाज सेवी अनिल दुबे को उनकी समाजसेवा के लिए सम्मानित किया गया। आशियाना परिवार के अध्यक्ष आर डी द्विवेदी ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया। अपने स्वागत से अभिभूत अनिल दुबे ने कहा कि उनका पूरा जीवन समाज की सेवा के लिये समर्पित है और वे अन्याय और शोषण के खिलाफ लगातार संघर्ष करते रहेंगे।

फोटो: 4पीएम

प्रदर्शन नीट कांउसिलिंग न होने से नाराज रेजिडेंट डॉक्टरों ने केजीएमयू के सामने किया प्रदर्शन।

सरकार दे रही 18 घंटे बिजली: श्रीकांत शर्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने आज विपक्ष पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में बिजली पर्याप्त रूप से नहीं आती थी। केवल चार जिलों में बिजली आती थी। आज पूरा प्रदेश बिजली से जगमगा रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार आते ही हमने तय किया हमारा उपभोक्ता वीआईपी है। व्यवस्था को ठीक किया। आज उजाला यूपी की पहचान है। सूर्य अस्त से लेकर सूर्य उदय तक हम बिजली दे रहे हैं। 2012-2017 तक केवल 47 लाख 75000 घरों में बिजली पहुंची थी। आज एक करोड़ चालीस लाख घरों तक बिजली पहुंच चुकी है।

इंतजार किस बात का, आयें और हाथों हाथ छपवाकर ले जायें।

गोमती नगर में पहली विदेशी मल्टी कलर प्रिंटिंग मशीन

आस्था प्रिंटर्स

कार्यालय: 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।